गोदनामा

स्टाम्प ..... रूपये

स्टाम्प न0..... तिथि.....

स्टाम्प विक्रेता का नाम.....

मैं/हम.....का/

की हूं जो कि अपने होशोहवास खुद रजामन्दी बिना किसी के सिखाये बहकाये प्रतिज्ञा करता और लिख देता हूं कि मेरी आयु ..... वर्ष की हो गई है । मैं विवाहित हूं मेरी अपनी कोई सन्तान नरीना या मदीना नहीं है । मैं हिन्दू धर्म मे आस्था रखता हूं और हिन्दू धर्म के मुताबिक पिण्ड दान व वन्सावली के प्रचलन हेतू पुत्र का होना आवश्यक माना गया है । इसी भावना से मैनें अपने..... ..... से उनके नवजात शिशु को गोद लेने के लिये आग्रह किया । परिस्थितियों को मध्य नजर रखते हुए ..... अपने नवजात शिशु को गोद देना स्वीकार कर लिया बाद स्वीकृति गोर रस्म धार्मिक रीति रिवाज से पूर्ण की गई। इस अवसर पर परिवार बिरादरी व मौहल्ले के व्यक्तियों व औरतों को बुलाया गया, हवन कराया गया गीत गवाये गये, ढोल बजवाये गये, लडडू बांटे गये व परिवार व बिरादरी तथा मौहल्ले के व्यक्तियों व औरतों के समक्ष नवजात शिशु को गोद में बैठाकर रस्म गोदनामा पूर्ण की । सभी की मौजूदगी मे उसी समय नामकर्ण संस्कार रस्म की प्रकिया पूर्ण करते हुए नवजात शिशु का नाम ..... रखा गयाजो आज तक हर जगह प्रचलित चला आ रहा है । बाद रस्म गोद व नामकर्ण मैंने ..... को अपना दतक पुत्र स्वीकार किया । चूंकि बचपन से ही ..... बतौर दतक पुत्र के मेरे साथ रहता है मैनें ही उसका लालन पालन तथा पढ़ाई लिखाई कराई है । ..... ही मेरा असल वारिस है उसे वह सभी अधिकार जो पिता की सम्पति में एक पुत्र को प्राप्त होते है । वही मेरा श्राद्ध तर्णव व पिण्ड दान आदि करेगा। मेरा असल वारिस/उतराधिकारी मानते हुए इसे पंजीकृत कराना जरूरी समझता हूं । अतः यह गोदनामा लिख दिया है कि प्रमाण रहे आज..... दिनांक .....

गोददेहन्दा गोदग्रहेन्दा गवाह गवाह